

ये अव्यक्त इशारे

## श्रेष्ठ स्वमानधारी, सम्मानदाता बनो

**16-06-2023**

सर्व आत्माओं के वृक्ष का तना आप ब्राह्मण हो। यह सारी शाखायें अर्थात् भिन्न-भिन्न धर्म की आत्मायें भी मूल तना से निकली हैं। तो सभी अपने हुए ना! ऐसे स्वमानधारी सदा अपने को मास्टर रचयिता समझ, अपने को आदि देव ब्रह्मा के आदि रत्न आदि पार्टधारी आत्मायें समझ सबको सम्मान दो, अपने ऊंचे स्वमान में रहो।

**Be one with elevated self-respect and  
continue to regard to everyone.**

You Brahmins are the trunk of the tree of all souls. All the branches, that is, souls of all the different religions have also emerged from the main trunk. So, all of them belong to you. Those of you who have such self-respect should constantly consider yourselves to be master creators and original jewels of Adi Dev Brahma, the original actors, and give everyone respect and stay in your elevated self-respect.